>

Title: Need to provide adequate compensation and medical facilities to the persons affected by the Bhopal Gas Tragedy and remove the chemical waste.

श्री कैलाश जोशी (भोपाल): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्न अविलंबनीय लोक महत्व के प्रश्न पर अपने विचार प्रस्तुत कर रहा हूं।

17.54 hrs (Shri Satpal Maharaj *in the Chair*)

महोदय, सन् 1984 में भोपाल में विश्व की भीषणतम् गैस त्रासदी की घटना घटी थी। इसमें हजारों लोग, पशु-पक्षी और अनेक जीव मारे गए थे। उस समय यूनियन कार्बाइड कंपनी के तत्कालीन अध्यक्ष वॉरेन एंडरसन भोपाल में ही मौजूद थे। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था किन्तु कुछ घंटों के बाद ही शासन के आदेश से उन्हें मुक्त कर राज्य के शासकीय विमान से दिल्ली पहुंचा दिया गया था। कुछ दिनों बाद भारत सरकार तथा यूनियन कार्बाइड के बीच आपसी समझौता हो गया था और उस समझौते के अंतर्गत क्षतिपूर्ति की धनराशि भी निर्धारित की गई थी। प्रारंभिक जांच में क्षति का जो आकलन किया गया था वह तथ्यपूर्ण नहीं था। साथ ही, जितने लोग मृत्यु को प्राप्त हुए थे, जितने स्थायी रूप से अपंग हुए थे तथा अन्य प्रकार की जो क्षति हुई थी वह वास्तविक रूप में निर्धारित नहीं हो पाई थी। तब से यह मामला विवाद का कारण बना हुआ है। मध्य प्रदेश सरकार और भारत सरकार के द्वारा यह मामला न्यायालय तक ले जाया जा चुका हैं जहां यह विचाराधीन है। इस बीच यूनियन कार्बाइड कंपनी का स्वामित्व बदल गया और इसे उत्तराधिकारी के रूप में डाऊ केमिकल्स ने खरीद लिया जो आज उसका मालिक है। इस स्थिति में जो विवादाग्रस्त विषय विचाराधीन थे उनमें से डाऊ केमिकल्स द्वारा अपने को उत्तरदायी मानने को तैयार नहीं हुआ है जबकि तथ्य यह है कि यूनियन कार्बाइड कंपनी का उत्तराधिकारी होने के कारण वह सब दृष्टि से इसके लिए जिम्मेवार हैं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय: कृपया आप अपनी मांग रखें।

श्री कैलाश जोशी: एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि इस त्रासदी के घटने के 28 वर्ष समाप्त होने बाद भी वहां के रासायनिक कचरे को समाप्त करने के लिए केन्द्र शासन द्वारा कोई परिणामकारी निर्णय नहीं लिया जा सका है, जो अभी भी विवादग्रस्त बना हुआ है। इस कारण अभी भी हजारों लोग उस कचरे के कारण रोगग्रस्त बने हुए हैं और प्रभावित हो रहे हैं।

अतः मैं शासन से अनुरोध करता हूं कि प्रभावित लोगों का मुआवजे बढ़ाने, चिकित्सा की सुचारु व्यवस्था करने तथा रसायनिक कचरे को हटाने के लिए तात्कालीक कदम उठाए जाएं।

सभापति महोदय :

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहान,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्रीमती ज्योति धुर्वे और

श्री अशोक अर्गल अपने आप को श्री कैलाश जोशी द्वारा शून्य प्रहर में उठाए गए विषय के साथ अपने-आप को संबद्ध करते हैं।